राजस्व विभाग युद्ध जागीर

ग्रद्ध-पक्ष

दिनांक 19 सितम्बर, 1981

कमांक 1804-ज-II-81/34274. —हिरयाणा सरकार, राजस्व विभाग, युद्ध जागीर ग्रधिस्चना कमांक 1380-ज-II-80/33001 दिनांक 16 सितम्बर, 1980, जो हिरयाणा सरकार के राजपत्र में दिनांक 23 सितम्बर, 1980, को प्रकाशित हुई है, के कमांक 2 में गांव का नाम "क्षनलाना" की बजाये "कबलाना" पढ़ा जाये।

दिनांक 22 सितम्बर, 1981

कमांक 1128-ज-I-80/34651 — हरियाणा सरकार, राजस्य विभाग, युद्ध जागीर अधिसूचना कमांक 317-ज-I-80/11892, दिनांक 2 अप्रैल, 1980, जो हरियाणा सरकार के राजपल में दिनांक 15 अप्रैल, 1980, को प्रकाशित हुई है, की तीसरी लाईन में गांच का नाम "रीटान" की बजाये "रोढान" पड़ा जाये।

दिनांक 7 प्रक्तूबर, 1981

क्रमांक 837-ज-I-81/36429.—हरियाणा सरकार, राजस्व विभाग, युद्ध जागीर प्रधिसूचना क्रमांक 2394-ज-I-80/3026, दिनांक 28 जनवरी, 1981, जो हरियाणा सरकार के राजपत्र दिनांक 10 फ़रवरी, 1981, में प्रकाशित हुई है, की चौथी लाईन में रबी, 1973 से खरीफ़, 1979 तक "150 क्षपये" की बजाये "200 क्षये" पढ़ा जाये।

दिनांक 12 श्रक्तूबर, 1981

क्रमांक 1816-ज-X-81/36542:—हरियाणा सरकार, राजस्व विभाग, युद्ध जागीर अधिसूचना क्रमांक 876-ज- I-81/25010, दिनांक 20 जुलाई, 1981, जो हरियाणा सरकार के राजपत्त दिनांक 18 अगस्त, 1981, में प्रकाशित हुई → है, की चौथी लाईन में 'श्री राम' की बजाये ''श्री सही राम' पढ़ा जाए।

दिनांक 7 ग्रक्तूबर, 1981

कमांक 1874-ज(I)-81/36417.—पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार श्रिविनयम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है भीर उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा (2ए)(1ए) तथा 3(1ए) के अनुसार सौंपे गए अधिक रों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल श्री सवर्ण सिंह, पूत्र श्री गंगा राम, ग्राम बंडागढ़, तहसील नारायणगढ़, जिला अम्बाला, को रबी, 1969 से रती, 1970 तक 100 रुपये वार्षिक, खरीफ 1970 से खरीफ, 1979 तक 150 रुपये वार्षिक तथा रबी, 1980 से 300 रुपये वार्षिक कीमत वाली युद्ध जागीर सनद में दी कई क्षतीं के अनुसार सहर्थ प्रदान करते हैं।

कमांक 1894-ज(I)-81/36421 - पूर्वी पंजाब सुद्ध पुरस्कार मिधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की घारा 2(ए)(1) तथा 3(1) के अनुसार सौंपे गए आधिकारों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल श्रीमती राज कौर, विधवा श्री खजान सिंह, ग्राम रायेवाली, तहसील नारायणगढ़, जिला अम्बाला, को खरीफ, 1975 से खरीफ, 1979 तक 150, हपये तथा रबी, 1980 से 300 रुपये वार्षिक कीमत वाली युद्ध जागीर सनद में दी गई शर्तों के अनुसार सहवं प्रदान करते हैं।

कमांक 1891-ज(I)-81/36425.—पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार प्रधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियागा राज्य में प्रपनाया गया है भौर उसमें प्राज तक संशोधन किया गया है) की धारा 2(ए)(1ए) तथा 3(1ए) के प्रनुसार सींपे गए प्रधिकारों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल श्रीमती करतार कौर, विधवा श्री करतार सिंह, गांव रायेवाली, तहसील नारायणगढ़, जिला प्रम्वाला, को रवी, 1969 से रवी, 1970 तक 100 रुपये वार्षिक, खरीफ, 1970 से खरीफ, 1979 तक 150 रुपये वार्षिक तथा रवी, 1980 से 300 रुपये वार्षिक कीमत वाली युद्ध जागीर सनद में दी गई शर्तों के प्रनुसार सहर्ष प्रदान करते हैं।

कमांक 1904-ज(I)-81/36434.—पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार अधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अन्ताया गया है भीर उसमें आज तक संशोधन किया गया है) कि धारा 2(ए) (1ए) तथा 3(1ए) के अनुसार सीपे गए अधिकारों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल श्री मुण्डा राम, पुत्र श्री वीलत राम, गांव खरखंड़ी, तहसील बावल, जिला महेन्द्रगढ़, को रबी, 1973 से धरीफ 1979 तक 150 रुपये तथा रबी, 1980 से 300 रुपये बाधिक कीमत बाली युद्ध जागीर सनद में दी गई मतौं के अनुसार सहयं प्रदान करते हैं।

देसराज सतीजा,
विशेष कार्य भिष्कारी, हरियाणा सरकार,
राजस्व विभाग ।